श्री कालभैरवाष्टकं

देवराज सेव्यमान पावनांघ्रि पङ्कजं

व्यालयज्ञ सूत्रमिन्दु शेखरं कृपाकरम् ।

नारदादि योगिवृन्द वन्दितं दिगंबरं

काशिका पुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥ १॥

भानुकोटि भास्वरं भवाब्धि तारकं परं

नीलकण्ठ मीप्सितार्थ दायकं त्रिलोचनम् ।

कालकाल मंबुजाक्ष मक्षशूल मक्षरं

काशिका पुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥ २॥

शूलटंक पाश दण्डपाणि मादिकारणं

श्यामकाय मादिदेव मक्षरं निरामयम् ।

भीमविक्रमं प्रभुं विचित्र ताण्डवप्रियं

काशिका पुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥ ३॥

भुक्तिमुक्ति दायकं प्रशस्त चारुविग्रहं

भक्तवत्सलं स्थितं समस्त लोकविग्रहम् ।

विनिक्वणन् मनोज्ञहेमकिङ्किणीलसत्कटिं

काशिका पुराधिनाथ कालभैरवं भजे॥ ४॥

धर्मसेतुपालकं त्वधर्म मार्गनाशनं

कर्मपाश मोचकं सुशर्मधायकं विभुम् ।

स्वर्णवर्ण शेषपाश शोभितांग मण्डलं

काशिका पुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥ ५॥

स्वामी रूपेश्वरानंद आश्रम

रत्नपादुका प्रभाभिराम पादयुग्मकं

नित्यमद्वितीय मिष्टदैवतं निरंजनम् ।
मृत्युदर्प नाशनं कराल दंष्ट्रमोक्षणं

काशिका पुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥ ६॥

अट्टहास भिन्नपद्म जाण्डकोश संततिं

दृष्टिपात नष्टपाप जालमुग्र शासनम् ।
अष्टसिद्धि दायकं कपाल मालिकाधरं

काशिका पुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥ ७॥

भूतसंघ नायकं विशाल कीर्तिदायकं

काशिवास लोकपुण्य पापशोधकं विभुम् ।
नीतिमार्ग कोविदं पुरातनं जगत्पतिं

काशिका पुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥ ८॥

॥ फल श्रुति॥

कालभैरवाष्टकं पठंति ये मनोहरं

ज्ञानमुक्ति साधनं विचित्र पुण्यवर्धनम् ।
शोकमोह दैन्यलोभ कोपतापनाशनं

ते प्रयान्ति कालभैरवांघ्रि सन्निधिं ध्रुवम् ॥

॥इति कालभैरवाष्टकम् संपूर्णम् ॥

स्वामी रूपेश्वरानंद आश्रम

"This PDF is the revised work of swamirupeshwaranand.in and is protected under copyright. Do not reproduce without written permission.

संशोधित द्वारा, स्वामी रुपेश्वरानंद आश्रम, बलुआ घाट, चंदौली, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

संपर्क/ WhatsApp/ कॉल: +91 – 76072333230

Mail Id : swamirupeshwar@gmail.com

वेबसाइट : https://www.swamirupeshwaranand.in